(b) what is the latest position about the sanctioning and implementation of each proposal contained in the said Action Plan;

(c) how do Government propose to meet the entire expenditure on the proposed Action Plan;

(d) what is the latest position about the creation of a "Tourism Development Fund" as proposed in the National Action Plan on Tourism (NAPT) submitted to Parliament in May, 1992 and recommended by the Standing Parliamentary Committee on Transport and Tourism; and

(e) to what extent the recommendations of the Standing Committee on Tourism have so far been implemented or proposed to be implemented?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) to (c) The 'Tourism Synergy Programme' prepared by the Department of Tourism was an attempt to enlist the entire matrix of activities to be undertaken by various agencies and the national estimates of investments required so as to achieve a target of 5 million tourist arrivals. The paper formed the basis for discussion with the respective Departments and other agencies so that steps could be taken by them to incorporate the identified requirements in their normal programme of activities to the extent possible.

(d) The proposal for setting-up of a "Tourism Development Fund" under the nomenclature "Assistance for Specified Tourism Areas" was considered by the Government earlier and was not approved, except the provision for capital subsidy to heritage hotels.

(e) All the recommendations of the "Committee on Transport and Tourism" contained in their first report have been either clarified or implemented except those relating to filling-up of vacancies in the Board of Directors of ITDC and the issue of an all India permit to tourists visiting historical monuments. Steps are being taken to clarify/implement the recommendations contained in the second report.

मध्य प्रदेश में ''बौद्ध तीर्थ केन्द्रों'' का विकास

3111. **श्री राघवजी:** क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मध्य प्रदेश में सांची में अंतर्राष्ट्रीय महत्व के बौद्ध तीर्थ केन्द्रों के विकास के लिए जापान या अन्य किसी देश से कोई सहायता प्राप्त हुई है; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) यदि कोई सहायता प्राप्त नहीं हुई है तो क्या भारत सरकार को इस संबंध में ऐसी सहायता के बारे में कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद): (क) और (ख) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने मध्य प्रदेश में सांची और सतधारा में बौद्ध स्मारकों के ''संरक्षण और परिरक्षण'' के लिए जापानी न्यास कोष के माध्यम से जापान सरकार द्वारा वित्त पोषित 5,00,000 अमरीकी डालर की लागत की यूनेस्को परियोजना के अंतर्गत परियोजना शुरू की है। परियोजना की मुख्य-मुख्य बातों में ये शामिल हैं:-

1. भूमि कटाव नियंत्रण
2. जल संसाधन प्रबंध
3. इमारत का संरक्षण
4. प्रलेखन
5. वैज्ञानिक खुदाई

सांची में विमानपत्तन

3112. **श्री राघवजी:** क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मध्य प्रदेश में स्थित सांची के अंतर्राष्ट्रीय महत्व को देखते हुए वहां विमानपत्तन बनाने की कोई योजना सरकार के विचाराधीन है; और

(ख) यदि हां, तो इसे कब तक बनाया जायेगा और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद): (क) और (ख) एयरलाइन प्रचालकों से मांग के अभाव में, राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण की इस समय मध्य प्रदेश में सांची में किसी नये हवाई अड्डे के निर्माण की कोई योजना नहीं है।